मियावाकी पद्धति

[स्रोत: आउटलुक](#)

हाल ही में **भारत स्थित इज़राइली दूतावास**, एक गैर-लाभकारी संस्था के सहयोग से [पृथ्वी दिवस](#) समारोह के एक हिस्से के रूप में आधिकारिक तौर पर **['मिलियन मियावाकी'](#)** परियोजना में शामिल हुआ।

- इस परियोजना के तहत, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र- दिल्ली में 600 पेड़ों का वृक्षारोपण **[मियावाकी पद्धति](#)** से करके दस लाख पेड़ लगाने का प्रयास किया गया है। इसमें 30 विभिन्न स्थानीय प्रजातियाँ जैसे- **अंजन, आँवला, बेल, अर्जुन तथा गुंज** आदि शामिल हैं।
    - मियावाकी पद्धति के प्रणेता जापानी वनस्पति वैज्ञानिक **अकीरा मियावाकी** (Akira Miyawaki) हैं। इस पद्धति में **प्रत्येक वर्ग मीटर के भीतर दो से चार अलग-अलग प्रकार के स्थानीय वृक्ष** लगाना शामिल है
    - यह विधि तीन वर्षों के भीतर **आत्मनिर्भर वृक्षों की पूर्ण परिपक्वता तक वृद्धि** करके **छोटे भूखंडों पर हरित आवरण को तेज़ी से बढ़ाती है**, जिससे नियमित रख-रखाव की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- स्थानिक वृक्षों का सघन आवरण उस क्षेत्र के **धूल कणों को अवशोषित करने** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है जहाँ उद्यान स्थापित किया गया है। पौधे **सतह के तापमान को नियंत्रित करने में भी मदद** करते हैं।
- पर्यावरण संरक्षण के समर्थन हेतु प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को विश्व भर में एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में **पृथ्वी दिवस** मनाया जाता है।

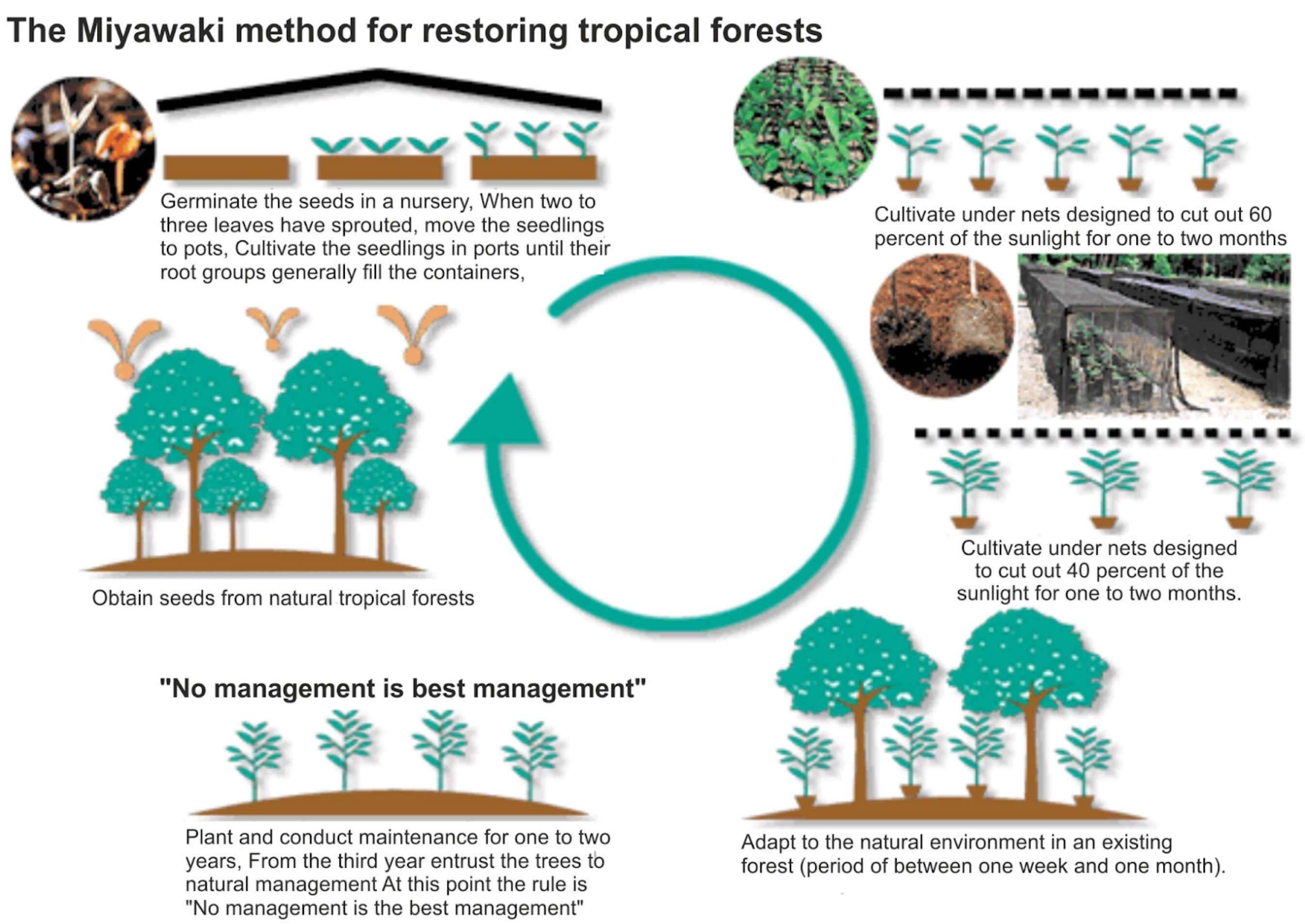

और पढ़ें: [मियावाकी वृक्षारोपण विधि](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/miyawaki-method